

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii),

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

| | |
|----------|--|
| सं० 345] | नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 21, 1972/आषाढ़ 30, 1894 |
| No. 345] | NEW DELHI, FRIDAY, JULY 21, 1972/ASADHA 30, 1894 |

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July 1972

S.O. 499(E).—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Commerce S.O. 638 dated 10th February, 1969. (as amended from time to time), namely:—

In the said notification, for the portion beginning with the words "which provides for delivery" and ending with the words "and the district of Ganganagar, in the State of Rajasthan", the following shall be substituted, namely:—

"which provide for delivery during a month not later than the third month following the month during which the contract has been entered into."

[No. F.10(25)-IT/70.]

K. BALACHANDRAN, Addl. Secy

प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय
(प्रान्तरिक व्यापार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1972

का० आ० 499 (अ).—अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 638, तारीख 10 फरवरी, 1969 (समय-समय पर यथा संशोधित) में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “जिसमें” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “अभिप्रेत है” शब्दों में समाप्ति होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“जिसमें उस मास के, जिसमें वह संविदा की गई हो, बाद के अधिकतम तीसरे मास तक परिदान की व्यवस्था हो।”

[सं० एक० 10(25)—आई० टी०/70]

के० बालाचंद्रन, प्रवर सचिव ।